हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 21 जनवरी 2025

तापमान
अधिकतम 26 .5डिग्री
न्यूनतम 6 .3 डिग्री

11 गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस सख्त, चलाया ...

12 पीजीआईएमए स में एनसीडीसी बनाएगी ...

शहर में आज

- ⏭ आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- ⏭ रेडक्रॉस में रक्तदान शिविर का आयोजन।

खबर संक्षेप

जिला परिवेदना समिति की बैठक आज

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि 21 जनवरी को सुबह 11 बजे स्थानीय जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए हॉल में प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक के एजेंडे में 17 शिकायतें शामिल की गई है। सभी संबंधित अधिकारी बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित करें।

प्रोफेसर डॉ. हरीश विवि की ईसी के सदस्य मनोनीत

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रोफेसर डॉ. हरीश कुमार को विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) का सदस्य मनोनीत किया है। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि बतौर कार्यकारी परिषद सदस्य प्रो. हरीश कुमार की नियुक्ति 30 जनवरी 2025 से 31 जुलाई 2025 तक प्रभावी रहेगी।

पीजीआई में कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त

रोहतक। पीजीआई के आउटसोर्स कर्मचारियों ने सोमवार को अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त कर दी। उनकी पीजीआई के अधिकारियों के साथ मीटिंग हुई। जिसमें 7 मांगों पर सहमति बनी। इसके बाद हड़ताल समाप्त करने का फैसला लिया है। पीजीआई के आउटसोर्स कर्मचारियों ने एचकेआरएन में शामिल करने सहित अन्य मांगों को लेकर 13 जनवरी को अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी।

रेडक्रॉस भवन में रक्तदान शिविर आज

रोहतक। रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा 21 जनवरी को स्थानीय रेडक्रॉस भवन में थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस रक्तदान शिविर में स्थानीय पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की ब्लड बैंक की टीम का सहयोग भी रहेगा। इस रक्तदान शिविर में फर्स्टऐड व होम नर्सिंग का प्रशिक्षण करने वाले 50 से अधिक युवा रक्तदान करेंगे।

किराने की दुकान में चोरी का आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस ने किराने की दुकान से चोरी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। अर्बन एस्टेट थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि सेक्टर-3 निवासी अजय की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि अजय ने सेक्टर-3 मार्केट में किरयाने की दुकान कर रखी है। 17 जनवरी को अजय अपनी दुकान बंद कर चला गया।

मदवि में विस्तार व्याख्यान आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की पं दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लोक प्रशासन विभाग और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 21 जनवरी को-द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश विषय पर विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

50 % सस्ती हुई सब्जियां, टमाटर 8 तो गोभी 5 रुपये किलो

सीजन में आवक बढ़ने से दाम गिरे, किसानों को नहीं मिल रहा सब्जी का पूरा भाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सब्जियों के रेट में एकदम से गिरावाट आ गई है। व्यापारी इसका कारण सब्जियों की ज्यादा पैदावार को बता रहे हैं। इनके मूल्य कम होने से जहां लोगों ने भी राहत की सांस ली है। वहीं किसानों को सब्जी पैदा करने में आई लागत का पूरा पैसा नहीं मिल पा रहा है। जिससे किसान किसान मायूस हैं। दिसंबर के आखिरी सप्ताह में 70 रुपये किलो में मिलने वाला टमाटर अब 30 रुपये किलो में मिल रहा है। सब्जी मंडी में टमाटर का थोक मूल्य करीब 8 रुपये किलो है। जबकि गोभी थोक रेट में 5 से 8 रुपये में मिल रही है। प्याज भी 15 रुपये किलो में मिल रहा है। अभी सर्दियों में सब्जियां इसी रेट में ही मिलेंगी, ऐसा व्यापारियों का कहना है। ऐसे में लगभग हर सब्जी के दाम करीब पचास प्रतिशत से ज्यादा कम हुए हैं। वहीं, सब्जियों के भाव नीचे आने से ग्रहणी काफी खुश नजर आ रही हैं। कई महीनों से टमाटर और प्याज जैसी जरूरी सब्जियों के दाम आसमान पर चल रहे थे।

मटर 50 रुपये किलो

सब्जियों के मूल्य अधिक होने पर लोग पाव या आधा किलो ही खरीदते हैं। लेकिन अब लोग झोला भर के सब्जियां खरीद रहे हैं। मटर की अगर बात करें तो 100 रुपये किलो बिकने वाला मटर अब बाजार में 50 रूपये किलो मिल रहा है। सब्जी विक्रेता ने बताया कि इन दिनों सब्जियों की पैदावार ज्यादा है, तो ऊपर से ही सस्ती सब्जियां आ रही हैं। इसलिए सस्ती मिल रही हैं। घीया पहले 40 रुपये किलो बिक रहा था, तो वहीं अब घीया 30 रुपये किलो बिक रहा है।

ये है सब्जियों के दाम

सब्जी	थोक रेट	रिटेल रेट
प्याज	15	30
आलू	14	30
टमाटर	8	30
गोभी	5 से 8	20
बैंगन	25 से 30	45
अदरक	50	70
मटर	30	50
मूली	10	15
गाजर	10	20
पालक	10	20
मेथी	20	30
टिंडा	15	20
भिंडी	100	120
शिमला मिर्च	30	40
नींबू	50	65
हरि मिर्च	45	55
घीया	30	40

टीम ने मदवि के गेट पर गो तस्करों सहित गायों से भरा ट्रक पकड़ा

गो-तस्करों ने 125 किमी तक पुलिस को छकाया

पंजाब से मेवात ले जा रहे थे गाय
•
आरोपी के पास गायों से संबंधित कागजात नहीं थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एमडीयू के गेट नंबर-1 पर पुलिस व गोरक्षक दल की टीम ने रविवार देर रात गो तस्करों को काफी मशक्कत के बाद काबू किया। गोरक्षक दल की टीम गो तस्करों के ट्रक का अग्रोहा से पीछा कर रही थी। इसके बाद गो तस्करों की सूचना पुलिस को दी और पुलिस ने भी आरोपियों का पीछा करना शुरू किया। करीब 125 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद पुलिस टीम व गोरक्षक दल की टीम ने गायों से भरे ट्रक को पकड़ लिया गया। आरोपी को भी ट्रक से काबू किया गया है। जिसके पास गायों को ले जाने से सम्बंधित कोई कागजात नहीं मिला।

ट्रक नहीं रोका

गो रक्षा दल रोहतक के जिला अध्यक्ष मेशा सीसर ने बताया कि एक ट्रक में पंजाब से गायों को भरकर मेवात ले जाया जा रहा था। इस सूचना के बाद गौ रक्षा दल अग्रोहा की टीम ने गायों से भरे ट्रक का पीछा किया। लेकिन ट्रक ड्राइवर ने ट्रक नहीं रोका। वहीं हांसी में टायर फटने के बाद ट्रक को 100 किलोमीटर प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से आगे बढ़ा रहा था। जिससे वह अपने रास्ते में आने वाले हर बैरियर और वाहन से टकराता चलता गया। लेकिन आरोपी भागते रहे।

भीड़ ने ट्रक पर पथराव भी किया

गो रक्षा दल रोहतक के जिला अध्यक्ष मेशा सीसर ने बताया कि इस दौरान मौके पर भीड़ ने ट्रक पर पथराव भी किया, लेकिन ट्रक चालक ने ट्रक को नहीं रोका। आरोपी ट्रक चालक ने रास्ते में गोरक्षकों की गाड़ियां, पीसीआर और पुलिस चेकपोस्ट भी तोड़ दिए। इस दौरान एक गौरक्षक भी घायल हो गया।

पीसीआर को टक्कर मारी

जिला अध्यक्ष मेशा सीसर ने बताया कि ट्रक चालक ने गौ रक्षा दल की तीन गाड़ियों (महम, रोहतक और अग्रोहा गौ रक्षा दल की गाड़ियां) और पीसीआर को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। एक गौ रक्षा दल का जवान भी घायल हो गया। घायल गौ रक्षा दल के कन्नू को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रक चालक ने रास्ते में पुलिस बैरिकेड्स भी तोड़े और रोहतक में एमडीयू के गेट के सामने पकड़ा गया है।

गोवंशों को गोशाला में भेजा गया

गोतस्कर को गिरफ्तार किया गया। ट्रक से बरामद गोवंश को गोशाला भेजा गया है। इसके अलावा आरोपी के पास ऐसे कोई कागजात नहीं मिले कि वह गोवंश को कहां पर लेकर जा रहा था।
-**प्रदीप कुमार**, एसएचओ, अर्बन एस्टेट

नौनंद के पास कार ने स्कूटी में मारी टक्कर, छात्र घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव नौनंद के पास एक कार चालक ने स्कूटी सवार छात्र को टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। घायल हो राहगीरों की मदद से निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में घायल विनय ने बताया कि वह नौनंद गांव का रहने वाला है। आठ जनवरी को वह अपनी स्कूटी से पढ़ने के लिए जा रहा था। तभी सुबह करीब 10:15 मिनट पर नौनंद रोड पुल के चौराहे के पास पहुंचा तो खरावड़ की तरफ से एक गाड़ी तेज रफ्तार आई और स्कूटी को सीधी टक्कर मार दी। जिससे वह घसीटता हुआ फुटपाथ तक ले गया। इससे सिर, कान, हाथ व पैर पर काफी चोटें आईं। इसके बाद दौरान गांव से आशीष व सोनू आ गए। जिन्होंने गाड़ी चालक को पकड़ लिया। गाड़ी चालक ने अपना नाम मनोज निवासी सैनी पुरा का बताया। इसके बाद शहर के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। ज्यादा चोट लगी होने के कारण पुलिस को बयान नहीं दिए थे। जिस कारण अब सोमवार को पुलिस को शिकायत दी। वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोजगार विभाग 27 से 31 जनवरी तक मनाएगा व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि रोजगार विभाग द्वारा 27 से 31 जनवरी तक स्थानीय महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय स्थित यूनिवर्सिटी इम्पलायमेंट इन्फॉर्मेशन एंड गाइडेंस ब्यूरो के प्रांगण में व्यवसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। ब्यूरो द्वारा विद्यार्थियों को मंडल रोजगार अधिकारी योगेश कुमार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में करियर निर्माण संबंधित जानकारी दी जाएगी। इस सप्ताह के दौरान स्वरोजगार बारे भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी किया जाएगा।

महम बार एसोसिएशन चुनाव के लिए बार काउंसिल के पास भेजे 422 वकीलों के नाम

- चुनाव समिति ने 20 जनवरी को 211 वकीलों के नाम बार काउंसिल को भेजे, 17 जनवरी को 211 के नाम पहले भेजे थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

बार एसोसिएशन महम के चुनाव में आए दिन रोचक जानकारी सामने आ रही हैं। सोमवार को भी एक नया घटनाक्रम सामने आया है। जिसके तहत बार एसोसिएशन के लिए बनाई गई चुनाव समिति ने 211 वकीलों और नाम बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा चंडीगढ़ को भेजे हैं। जबकि 17 जनवरी को भी 211 नाम भेजे थे। अब बार काउंसिल को भेजे गए वकीलों के नामों की संख्या 422 हो गई है। अब देखने वाली बात यह होगी कि इनमें बार काउंसिल सभी 422 नामों को को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति देती है या नहीं। क्योंकि बार एसोसिएशन चुनाव के लिए बार सदस्यों की सूची 17 जनवरी को भेजी जानी थी। लेकिन 211 लोगों के नाम इस सूची में नहीं भेजे जा सके थे। चुनाव अधिकारी राजेश गोयत का कहना है 17 जनवरी तक उनको जो रिकॉर्ड बार की ओर से मिला था, उसी के मुताबिक उन्होंने वकीलों के नाम भेजे थे। उसके बाद 18 जनवरी को अन्य वकीलों का रिकॉर्ड भी बार एसोसिएशन क्लर्क के पास पहुंच गया। अब जो भी बार कार्यालय में रिकॉर्ड मिला है, उसके आधार पर अन्य 211 नामों की सूची सोमवार 20 जनवरी को बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा को चंडीगढ़ कार्यालय में भेज दी है। बार काउंसिल इन नामों पर विचार विमर्श के बाद निर्णय लेगा।

महम। बार एसोसिएशन चुनाव महम के चुनाव को लेकर चर्चा करते महम बार एसोसिएशन के वकील।

गांव घिलौड़ के पास रविवार देर रात हादसा

पेड़ से टकराई कार, दो दोस्तों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव घिलौड़ के पास रविवार देर रात एक कार पेड़ से टकरा गई। जिसमें 5 लोग घायल हो गए। घायलों को राहगीरों की मदद से खानपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया। हादसे में घायलों में उपचार के दौरान 2 दोस्तों की मौत हो गई और 3 गंभीर रुप से घायल है। जानकारी के अनुसार एक मृतक युवक की 17 दिन पहले ही शादी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव कब्जे में ले लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव रिठाल फोगाट निवासी रमेश कुमार ने बताया कि उसके 3 बच्चे (2 लड़के व 1 लड़की) हैं। 19 जनवरी को उसके लड़के अंकित व ललित अपने दोस्त जींद के बराह खुर्द गांव निवासी अमित, रिठाल फोगाट निवासी जतिन के साथ गांव के ही लड़के अजय की कार में गोहाना किसी काम से गए थे। कार को अजय चला रहा था। उन्होंने बताया कि रात करीब 1 बजे मेन हाइवे पर घिलौड़ गांव के पुल से रोहतक की तरफ उतरे तो कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। जिस कारण कार सड़क से नीचे उतर गई और पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में कार सवार सभी लोगों को चोटें आई और कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

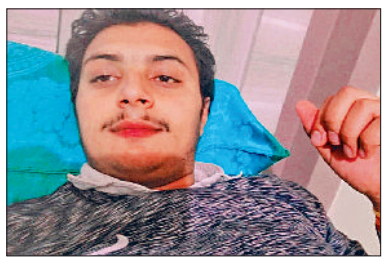

17 दिन पहले हुई थी शादी: रमेश ने बताया कि हादसे में लगी चोटों के कारण उसके बेटे अंकित (24) की मौत हो गई। अंकित के दोस्त अमित की भी मृत्यु हो गई। घायलों को खानपुर पीजीआई में में भर्ती करवाया गया।

रोहतक। क्षतिग्रस्त कार ।

घायल।

अच्छी खबर — गणतंत्र दिवस समारोह पर रोडवेज फ्री में करवाता है यात्रा

26 जनवरी से शहर में चलेंगी 5 इलेक्ट्रिक एसी बसें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर में आने वाले नागरिकों के लिए राहत और खुशी की खबर है। शहर में 26 जनवरी से हरियाणा राज्य परिवहन विभाग बस सेवा शुरू होने जा रही है। आमजन की सुविधा के लिए शहर में 5 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों का संचालन बस स्टैंड से किया जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा इन बसों पर बकायादा स्टाफ की नियुक्ति कर उनको जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं। शहर में चलने वाली इन बसों के लिए रूट भी तैयार कर दिया गया है। इसके साथ-साथ 26 जनवरी के दिन यात्रियों को बस सुविधा निशुल्क मिलेगी। बाकी दिनों का रूट के हिसाब से किराया निर्धारित किया गया है।

रूप रेखा तैयार

बता दें कि प्रतिदिन शहर में हजारों लोग किसी न किसी कार्य के लिए आते हैं। उपायुक्त धीरेंद्र ने नागरिकों की आवागमन की दिक्कत को दूर करने के लिए रोडवेज प्रशासन को शहर में बस सेवा शुरू करने के निर्देश दिए। उपायुक्त के निर्देशानुसार परिवहन विभाग ने शहर में इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की पूरी रूप रेखा तैयार कर ली है। योजना अनुसार शहर में 26 जनवरी से पांच इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। इन बसों पर 13 परिचालकों को तैनात किया गया है। परिचालक ई-टिकटिंग मशीनों के द्वारा यात्रियों को टिकट उपलब्ध करवाएंगे। गाड़ियों की साफ-सफाई के लिए वाशिंग मशीन व चार्जिंग पॉइंट को चेक कर लिया गया है।

मिलेगी यात्रियों को सुविधा

ये बसें वातानुकूलित हैं। इन बसों में आगे व पीछे डिस्प्ले लगाई गई है, जिससे यात्रियों को उनके स्टैंड का पता चलेगा तथा साथ ही इन बसों में स्टैंडों की उदघोषणा भी होगी। ये बसें लो फ्लोर हैं, जिससे यात्रियों को चढ़ने उतारने में कोई परेशानी नहीं होगी। इन बसों में जीपीएस फीचर उपलब्ध है। इन बसों में 46 सीटें हैं। संबंधित बसों में न्यूनतम किराया 10 रुपए रहेगा तथा दूरी किलोमीटर के हिसाब से किराये के 10 रुपए, 15 रुपए, 20 रुपए आदि स्लैब बनाए गए हैं।

इस प्रकार रहेगा एसी बसों का रूट

यातायात महाप्रबंधक भारत भूषण गोगिया ने बताया कि शहर में चलने वाली बसों का रूट निर्धारित किया गया है। ये बसें रोहतक बस स्टैंड से पीजीआई वाया राजभवन (किशनपुरा), शीला बाईपास, रिवाज होटल, रिलायंस मार्ट, स्वामी नित्यानंद पब्लिक स्कूल, जाट भवन, सेक्टर-1 मैन रोड, राजीव चौक (दिल्ली बाइपास), एमडीयू गेट नंबर 2, सेक्टर-14, जाट कॉलेज, सीआर पालीटेक्निक, पावर हाउस, पीजीआई मोड होते हुए मेडिकल इमरजेंसी तक हर 15 मिनट के अंतराल में चलेंगी और वापिस इसी रास्ते बस स्टैंड आएंगी। अन्य बसें उपलब्ध होने पर अन्य मार्गों पर भी इन्हें चलाया जाएगा। ये बसों से वायु प्रदूषण कम होगा, वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगेगा।

आवागमन की परेशानी होगी दूर

उपायुक्त ने बताया कि शहर में नागरिकों आवागमन की परेशानी को दूर करने के लिए हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के माध्यम से 26 जनवरी से इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करवाई गई है। इन बसों के चलने से नागरिकों को शहर में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में काफी आसानी होगी। बसों के सही संचालन को लेकर रोडवेज प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। 26 जनवरी के दिन नागरिकों को यह बस सेवा निःशुल्क मिलेगी।

पायल-प्रीति ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला कराटे में जीता कांस्य पदक

रोहतक। एमडीयू के डॉ मंगल सेन मल्टीपरपस हाल में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला कराटे प्रतियोगिता के दूसरे दिन एमडीयू की पायल ने 61 किलो भार वर्ग में और प्रीति ने 68 प्लस किलो भार वर्ग में ब्रॉज मेडल जीतकर एमडीयू का नाम रोशन किया। एमडीयू के खेल निदेशक प्रोफेसर आरपी गर्ग, डॉ शकुन्तला बेनीवाल और डॉक्टर सुनीता ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

रोहतक। विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित करते खेल निदेशक प्रोफेसर आरपी गर्ग, डॉ शकुन्तला बेनीवाल व डॉक्टर सुनीता।

रोहतक, मंगलवार
21 जनवरी 2025

हरिभूमि सहेली

आधी आबादी
भविष्य की बेहतरी से जुड़े हों बदलाव

आजादी मिलने और गणतांत्रिक राष्ट्र बनने के बाद से देश की आधी आबादी लगभग हर क्षेत्र में निरंतर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है, आगे बढ़ रही है। लेकिन अभी भी कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर देश की राजनीतिक व्यवस्था और समाज को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। एक ऐसा भयमुक्त परिवेश बनाने की भी जरूरत है, जिसमें महिलाएं पूरे आत्मविश्वास से खुद की बेहतरी के लिए प्रयास कर सकें, देश की प्रगति में अपनी भूमिका निभा सकें।

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

गणतंत्र दिवस का पर्व, हम सबका प्यारा राष्ट्रीय पर्व है। हर दायित्व, हर हक की याद दिलाने वाला उत्सव। एक ओर तिरंगे के रंग मन में गर्व का भाव भरते हैं तो दूसरी ओर हमारी गणतांत्रिक व्यवस्था की यात्रा को पीछे मुड़कर देखने पर कुछ प्रश्न भी दिलो-दिमाग में दस्तक देते हैं। खासकर स्त्रियों के मन-जीवन से जुड़े कई पक्ष जरा ठहरकर विचार करने योग्य लगते हैं। असल में गणतंत्र यानी देश की सत्ता का जनसाधारण के हाथ में होना।

गणतांत्रिक व्यवस्था का अर्थ

गणतांत्रिक व्यवस्था में, शासन और न्याय के विधान की शक्ति आमजन के हिस्से होती है। हमारे यहां देश चलाने के इस कायदे में संविधान ने सभी नागरिकों को शिक्षा, समानता और अपनी बात कहने की स्वतंत्रता जैसे कई अहम अधिकार दिए हैं। जिनकी बदौलत महिलाओं के जीवन में भी बहुत से सार्थक परिवर्तन आए हैं। लेकिन इसका एक चिंतनीय पहलू यह है कि स्त्रियों की बेहतरी से जुड़ी बहुत सी बातें, भविष्य की बुनियाद को मजबूती देने की सोच से अभी भी चूक रही हैं।

मिले सुरक्षा और सहज सहयोग

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निर्भरता नहीं, आत्मनिर्भरता जरूरी है। यहां सरकार और सभी राजनीतिक दलों को इस बात को समझना बहुत जरूरी है कि महिलाओं की बेहतरी को आर्थिक सहयोग तक समेट देने वाली योजनाएं, असल में स्त्री सशक्तिकरण का सार्थक रास्ता नहीं सुझातीं। मताधिकार, हर नागरिक को संविधान से मिला सबसे बड़ा अधिकार है। ऐसे में यह तकलीफदेह है कि वोट लेने की जुगत से जुड़ी कई योजनाओं के पीछे भविष्य की बेहतरी का खाका नहीं है। एक नागरिक के तौर पर स्त्रियों को फाइनेंशियल हेल्प के बजाय, जीवन स्तर बेहतर बनाने वाली योजनाओं की अधिक दरकार है। जिनमें न केवल महिलाएं स्वयं भागीदार बनें बल्कि स्थायी बदलाव लाने की राह भी तलाशें। ऐसी योजनाएं, जिनसे परेशानियों के दौर में इमोशनल सिक्योरिटी, मेडिकल सपोर्ट और कानूनी मदद मिल सके। आश्रित बनाने वाली योजनाओं के बजाय जागरूक अस्तित्व को बल देने वाली वेलफेयर स्कीम्स ही महिलाओं को सजग और आत्मनिर्भर बना सकती हैं। महिला मतदाताओं की ताकत को समझना सुखद है पर देश के विकास में स्त्रियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के मोर्चे पर भी सोचा जाए। मन की शक्ति जुटा लेने वाली आज की बेटियों को सुरक्षित परिवेश मिले तो वे हर क्षेत्र में कमाल करने का माद्दा रखती हैं। यही नहीं घर-दफ्तर संभाल रही महिलाओं को भी सहज सहयोग भर मिल जाए तो बेहतरीन उपलब्धियां देश के नाम कर सकती हैं। समझना मुश्किल नहीं कि देश के आंगन को संवारने के लिए किसी भी क्षेत्र विशेष में सधी भूमिका निभाने के हालात उनके व्यक्तिगत जीवन में तो सार्थक बदलाव ले ही आएंगे। काम-काजी संसार में स्त्रियों की भागीदारी उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर बनाएंगी।

सबसे जरूरी सकारात्मक नजरिया

आज भी वर्चुअल दुनिया की बहसों से लेकर असल संसार की बातचीत तक, महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच नदारद दिखती है। दुखद घटना का शिकार हुई महिला के लिए भी संकुचित सोच वाली टिप्पणियां देखने को मिल जाती हैं। घर हो या बाहर, आधी आबादी के प्रति विवेकशील सोच कम ही दिखती है। परिवार और परिवेश के साथ अब तकनीक की रची ऑनलाइन दुनिया में भी महिलाओं को कटु शब्दों और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। अपने-परायों की यह तयशुदा सोच, देश की महिलाओं की सच्ची स्वतंत्रता में बाधक है। बाबा साहब अंबेडकर ने कहा है, 'संवैधानिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं हैं, जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर लेते।' सच्चाई यह है कि महिलाएं कई मोर्चों पर आज भी तरह-तरह की बंदिशों में बंधी हैं। द्वेष और भेदभाव का शिकार हो रही हैं। चुनावी मौसम में महिलाओं को लेकर की जाने वाली अपमानजनक टिप्पणियां भी इसी सोच को प्रकट करती हैं। असल में राजनीतिक परिदृश्य में प्रभावी बदलाव आए बिना सामाजिक सोच का भी पूरी तरह से बदलना मुश्किल है।

राजनीति में बढ़े महिलाओं की सहभागिता

हमारे घर-परिवार में आम स्त्रियां भी संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक गणराज्य की परिकल्पना को सहज रूप से साकार करती दिखती हैं। बात चाहे बहू-बेटियों के अधिकारों को बल देने की हो या घरेलू जिम्मेदारियों संग काम-काजी दुनिया में अपनी जगह बनाने की। महिलाएं एक-दूजे की समर्थक बन रही हैं पर उनकी राजनीतिक सहभागिता आज भी बहुत कम है। समाज के आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली स्त्रियां निर्णयकारी भूमिका में पीछे दिखती हैं। महात्मा गांधी ने हमेशा इस बात को स्वीकार्यता दी कि 'स्त्री सार्वजनिक विकास का आधार है। उसके बिना सभ्य समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।' आवश्यक है कि समाज और देश का व्यवस्थागत ढांचा भी महिलाओं की सबलता के सही मायने समझे। भविष्य की बेहतरी से जुड़े हर बदलाव को सकारात्मक दृष्टिकोण का मजबूत आधार मिले।

आपराधिक घटनाओं से मिले मुक्ति

सशक्तिकरण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ती आधी आबादी के लिए बड़ी चिंता की बात यह भी है कि स्कूल-कॉलेज से लेकर सड़क और घर के आंगन तक, महिलाओं के साथ होने वाले अपराध के आंकड़े पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। महिलाओं के लिए सम्मान से जीने के मोर्चे पर आज भी जद्दोजहद कायम है। मासूम बच्चियों के शोषण के मामले तो समग्र समाज को डराने वाले हैं। गणतांत्रिक देश की नागरिक होने के नाते सुरक्षित परिवेश में खुलकर जीने का हक तो हर स्त्री का बुनियादी अधिकार है। राह चलते हो रही क्रिमिनल एक्टिविटीज के कारण सामाजिक, पारिवारिक और मनोवैज्ञानिक मोर्चों पर महिलाओं के हिस्से आज भी बहुत से अवरोध हैं। ऐसे में संवैधानिक अधिकारों में दर्ज बराबरी की बातें, वास्तविक परिवेश में भी दिखनी चाहिए। ध्यान रहे कि हमारे संविधान के निर्माण की जिम्मेदारियों को निभाने में पंद्रह विदुषी महिलाओं की भी हिस्सेदारी थी। उस दौर में इन्होंने स्त्रियों के संघर्ष को देखने-जानने के बाद ही महिला अधिकारों की वकालत की थी। दुखद है कि संविधान के 75 वर्ष की अविस्मरणीय यात्रा में समान हक रखने वाली आधी आबादी के हिस्से अनगिनत पीड़ादायी घटनाएं होती रहती हैं। ऐसी स्थितियां बेटियों का मनोबल तोड़ने और मुस्कुराहटें छीनने वाली हैं। निस्संदेह, सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के बीच स्त्रियों के स्वतंत्र अस्तित्व को ही नहीं स्त्रीत्व के रंग सहेजने की भी दरकार है। दुरुस्त व्यवस्थाएं ही इन परिस्थितियों में सुधार ला सकती हैं। बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था, 'कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार पड़े तो दवा जरूर दी जानी चाहिए।' विचारणीय है कि सुरक्षित परिवेश मिले बिना संवैधानिक अधिकारों को जीने और स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने के मोर्चे पर आधी आबादी का संघर्ष खत्म नहीं हो सकता है।

भारतीय संविधान करता है महिलाओं का सम्मान

पुरुष हों या महिलाएं, भारत का संविधान हर नागरिक को न सिर्फ कई अधिकार प्रदान करता है, उन्हें सम्मान से जीने का हक भी देता है। यही नहीं पुरुष प्रधान हमारे समाज में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को सुरक्षित बनाए रखने के लिए कई विशेष प्रावधान किए गए हैं।

प्रावधान

वंदना जोशी

भारत में महिलाओं के लिए संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक असमानताओं और भेदभाव को संबोधित करने और सुधारने के लिए स्थापित किए गए हैं, जिनका सामना महिलाओं ने सदियों तक किया है। ये उपाय न्यायपूर्ण, समतामूलक समाज की नींव में महिलाओं की आवश्यक भूमिका को स्वीकार करते हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखते हैं।

समानता-भागीदारी की पात्रता: भारत में महिलाओं के लिए संवैधानिक प्रावधान, भारतीय संविधान में निहित सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता सुनिश्चित करना और जीवन के विभिन्न पहलुओं में महिलाओं को सशक्त बनाना है। ये प्रावधान महिलाओं को भेदभाव से बचाने, उनकी भलाई को बढ़ावा देने और राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। अनुच्छेद 14, 15 और 16 जैसे मौलिक अधिकार समानता के अधिकार की स्थापना करते हैं और लिंग के आधार पर भेदभाव को रोकते हैं, जिससे महिलाएं सम्मान के साथ रह सकें और उन्हें समान अवसर मिलें। अनुच्छेद 39, 42 और 43 सहित निर्देशक सिद्धांत आर्थिक न्याय, समान वेतन और मातृत्व के दौरान सहायता की वकालत करते हैं। इसके अलावा, अनुच्छेद 51 ए (ई) महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं को त्यागने के नैतिक कर्तव्य पर जोर देता है।

राजनीतिक भागीदारी-सामाजिक सुरक्षा का अधिकार: मूल संविधान में प्रदत्त अधिकारों के अतिरिक्त, संवैधानिक संशोधनों ने पंचायतों और नगर पालिकाओं में सीटों के आरक्षण के माध्यम से स्थानीय शासन में महिलाओं की भागीदारी को सुगम बनाया है, जो महिलाओं के प्रतिनिधित्व और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भागीदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अब तो लोकसभा में भी महिलाओं की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए भी बिल पारित हो चुका है, जिसे परिसीमन के बाद लागू किया जा सकेगा। संविधान में महिलाओं के लिए अधिकारों और सुरक्षा को शामिल करके, भारत एक ऐसा कानूनी और सामाजिक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। इन प्रावधानों का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके अधिकारों की गारंटी देना तथा उन्हें सम्मान और समानता के साथ जीवन जीने में सक्षम बनाना है, जिससे राष्ट्र की प्रगति बढ़ेगी और लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखा जा सकेगा।

सभी का कर्त्तव्य महिलाओं के प्रति सम्मान: संविधान का अनुच्छेद 51 ए (ई) महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करने के लिए प्रत्येक नागरिक के नैतिक दायित्वों को रेखांकित करता है।

यह प्रावधान महिलाओं के प्रति सम्मान और गरिमा की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, नागरिकों से महिलाओं को अपमानित करने या उनके साथ भेदभाव करने वाली प्रथाओं को खत्म करने का आग्रह करता है। इस बारे में सभी को पता होना चाहिए।

जुड़ाव

चैतन्या

स्पेशल: हगिंग डे, 21 जनवरी

स्नेह-दुलार भरी प्यारी-सी झप्पी

यह सही है कि बच्चे, शब्दों से ज्यादा चेहरे के एक्स्प्रेशन और शारीरिक हावभाव से स्नेह जताने की भाषा को समझते हैं। इसीलिए घर के मासूम सदस्यों को गले लगाकर प्यार जताना जरूरी है। बात उनकी उपलब्धि पर खुश होने की हो या सीख-समझ रहे अच्छे विचारों से प्रभावित होकर शाबासी देने की। बड़ों को अपने मनोभाव खुलकर जाहिर करने चाहिए। हमारे परिवारों में इन छोटे सदस्यों के काम में मीनमेख निकालने हिदायतें देने का चलन तो खूब है पर स्नेह लुटाने में जरा कोताही देखने को मिलती है। जरूरी हैं कि दादा-दादी हों या पैरेंट्स, बच्चों को प्यार से गले लगाकर झप्पी देते रहें।

उपलब्धियों के अवसर पर: बच्चों की उपलब्धियों को सेलिब्रेट करना उतना मायने नहीं रखता, जितना उन्हें गले लगाकर स्नेह जताना। घर के सभी बड़े सदस्य ऐसे मौकों पर बच्चों को अपने आलिंगन की स्नेहभरी सुरक्षा का एहसास अवश्य करवाएं। असल में बच्चों को यूं खुशी से गले लगाने का भाव बिन बोले भी बहुत कुछ कह जाता है। बेहतरी की राह पर आगे बढ़ते बच्चों की तारीफ के लिए कभी-कभी शब्द कम पड़ते हैं। बड़ों की आंखें ही नहीं उनका मन भी भर आता है। ऐसे में एक स्वीट हग बेहद प्यार भरा एक्स्प्रेशन होता है। खेल हो या पढ़ाई, कला हो या अच्छी जीवनशैली का निर्वहन। 'अच्छा है', 'बढ़िया किया', 'सही दिशा में जा रहे हो,' भर कह देना काफी नहीं। एक भरपूर जुड़ाव भरा एक्स्प्रेशन बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का अध्ययन कहता है कि बच्चों को गले लगाने से उनके सही विकास जुड़े हार्मोंस के सामान्य स्तर को बढ़ावा मिलता है। इससे न केवल भावनात्मक संबंध मजबूत होते हैं बल्कि उनके आत्मविश्वास का धरातल भी पक्का होता है। इसीलिए चुनौतीपूर्ण समय में ही नहीं, उपलब्धियों के दौर में भी बच्चों को गले अवश्य लगाएं।

नाराजगी का मौका: पैरेंट्स कभी-कभार अपनी व्यस्तता की वजह से बच्चों को झिड़क देते हैं तो कभी जरूरत से ज्यादा रोक-टोक करने के बाद खुद को गलत पाते हैं। ऐसी बातें बालमन को ठेस पहुंचाती हैं। ऐसे में बच्चों की नाराजगी दूर करने के लिए यह सहयोगात्मक स्पर्श बेहद आवश्यक है। देखा जाए तो गले लगाने का सीधा सा अर्थ है परवाह करना। मन से जुड़े रहना। सुखद है कि नाराज होने पर अकेला छोड़ देने के बजाय परवाह भरे जुड़ाव की यह सोच बच्चों की सेहत भी संवारती है। गले लगाने से बच्चों को पॉजिटिव सोच की सौगात मिलती है। मूड अच्छा रहता है। कोर्टिसॉल हार्मोन का स्तर कम होने से तनाव दूर होता है। इस नेह भरे स्पर्श से बच्चों को बहुत से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

वर्किंग वूमेन

ललिता गोयल

हम बड़े-बड़े अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन अपने सबसे पहले अधिकार मी टाइम को भूल जाते हैं, जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसमें हमारी खुशी भी निहित है। हम मी टाइम कैसे निकालें, जानिए।

हमारा पहला अधिकार मी टाइम

एक समय वह था, जब महिलाओं की जिंदगी सिर्फ घर और परिवार के इर्द-गिर्द ही होती थी। लेकिन आज वक्त बदल चुका है। अब महिलाएं घर-परिवार के साथ, अपने करियर अपनी प्रोफेशनल लाइफ को भी मैनेज कर रही हैं। लेकिन इन दोहरी जिम्मेदारियों को पूरा करने में महिलाएं अकसर अपने लिए वक्त निकालना भूल जाती हैं। यह उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। वर्किंग वूमेन, ऑफिस के साथ-साथ घर भी संभालती हैं, जो काफी चैलेंजिंग है। इन दोनों कामों के बीच फंसे रहने के कारण वे खुद को समय नहीं दे पाती हैं और काफी स्ट्रेस में रहती हैं, जिसकी वजह से उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बुरी तरह से प्रभावित होता है। इसलिए जिंदगी की भाग-दौड़ के बीच घर-परिवार के लिए सब कुछ करने वाली महिलाओं का खुद के लिए 'मी टाइम' निकालना बहुत जरूरी है। यह कैसे संभव है,जानिए-

मी टाइम के लिए झिझकें नहीं: कई बार महिलाएं अपने लिए समय निकालने, अपने मन का करने से झिझकती हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग उन्हें जज करेंगे। ऐसा न सोचें, दूसरों को खुश रखने या फिर खुद के सपनों को पूरा करने के लिए खुद को खुश रखना, सबसे पहले जरूरी है। क्योंकि अगर आप खुश नहीं हैं तो इसका असर आपके मूड, सेहत और काम पर भी होगा। इसलिए 'मी टाइम' हर महिला को निकालना चाहिए। इसके लिए उन्हें टाइम मैनेजमेंट करके लाइफ को बैलेंस करने की आर्ट आनी चाहिए।

समय को मैनेज करें: अपने लिए समय निकालने के लिए जरूरी है कि महिलाएं सबसे पहले समय को मैनेज करना सीखें। हर काम को एक निश्चित समय दें और उसी के आधार पर काम करें।

काम को बांटें: महिलाओं के साथ एक बड़ी समस्या यह होती है कि वे घर के सारे काम खुद करना चाहती हैं। लेकिन अगर वे वर्किंग हैं तो घर के काम परिवार के सदस्यों के साथ शेयर करें, इस तरह उन पर काम का बोझ कम होगा, जिससे खुद के लिए समय मिलेगा और स्ट्रेस के स्तर में भी कमी आएगी। छुट्टी वाले दिन भी घर के सारे काम खुद न करें बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों से मदद लें।

मन को रिलैक्स रखें: ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियों को संभालते हुए जरूरी है कि वर्किंग वूमेन, खुद को रिलैक्स रखकर मन को शांत रखें। देखा जाता है महिलाएं हर काम में अपना बेस्ट देने की कोशिश में वो अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में मन शांत रखने के लिए वे योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं।

किचेन में बहुत ज्यादा टाइम न दें: कुछ महिलाएं खाने में सबकी पसंद का बनाने के चक्कर में किचेन में बहुत ज्यादा टाइम लगा देती हैं। ऐसे में वे कुछ ऐसी डिश बना सकती हैं, जिसे बनाने में ज्यादा समय न लगे।

(लाइफ कोच करिश्मा से बातचीत पर आधारित)

मी टाइम में करें मनचाहा काम

सभी के लिए 'मी टाइम' का मतलब अलग-अलग हो सकता है। मसलन हो सकता है किसी को म्यूजिक सुनना पसंद हो, किसी को डांस करना, किसी को पेंटिंग करना या कुछ और 'मी टाइम' में सिर्फ वही काम करें, जो आपको खुशी दें।

बच्चे होली, दीपावली तो उत्साह-उमंग से मनाते ही हैं, लेकिन उनके मन में अपने देश के प्रति सम्मान के भाव पनपें, इसके लिए आपको उन्हें अपने राष्ट्रीय पर्वों के बारे में प्यार से जरूर समझाना चाहिए। इससे उनके मन में देश के प्रति सम्मान का भाव विकसित होगा।

बच्चों को जरूर बताएं राष्ट्रीय पर्वों की महत्ता

बच्चे और आप

नीलम अरोड़ा

आज के दौर में भले बच्चों की लगभग हर जिज्ञासा का हल गूगल के पास मिल जाता हो, लेकिन बच्चों के दिल या दिमाग में कुछ बातें गूगल या महज किताबों के जरिए समझ नहीं आतीं। ऐसी बातों और जानकारियों से बच्चों का दिल और दिमाग का रिश्ता तभी बनता है, जब उन्हें ये सब उनके मम्मी-पापा, दादी-दादा, नानी-नाना या परिवार के कोई भी बड़े-बूढ़े स्नेहिल भाव भंगिमाओं के साथ बताते-समझाते हैं। देश के इतिहास और संस्कृति से जुड़ी कई बातें ऐसी ही होती हैं, जो बच्चों को सिर्फ किताबों या सोशल मीडिया के जरिए नहीं समझ में आती हैं। इसलिए चाहे यह जितना बड़ा सूचना और संचार का युग हो, सभी पैरेंट्स को चाहिए कि वे अपने छोटे बच्चों को गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, 2 अक्टूबर जैसे राष्ट्रीय पर्वों के मनाए जाने के पीछे की वजहों को भी जरूर बताएं।

समझाएं आजादी के मायने-महत्ता: सवाल है आखिर राष्ट्रीय पर्वों के मौके पर आप अपने छोटे बच्चे को क्या और कैसे बताएं? इसके लिए अपने बच्चों को गंभीरता के साथ पहले यह बताना और समझाना चाहिए कि हम हर साल स्वतंत्रता दिवस क्यों मनाते हैं और उस स्वतंत्रता दिवस के बाद गणतंत्र दिवस क्यों मनाया जाता है? आपको अपने छोटे बच्चों को बताना चाहिए कि हमारे पूर्वजों ने कैसे अंग्रेजों की गुलामी के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष किया था? कैसी-कैसी तकलीफें भोगी थीं? इससे ही छोटे बच्चों के दिल-दिमाग में यह समझ पैदा होगी कि आजादी का क्या महत्व होता है और हमारे पुरखों ने हमें आजाद माहौल में सांस लेने के लिए क्या-क्या कष्ट उठाए थे? तभी बच्चों को आजादी का महत्व समझ में आएगा और अपने पूर्वजों पर गर्व महसूस होगा।

बताएं स्वाधीनता सेनानियों का योगदान: छोटे बच्चों को यह जरूर बताना चाहिए कि देश के इतिहास में महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानियों का कितना बड़ा योगदान था? इसलिए हमें अपनी आजादी के साथ जरा भी गैरजिम्मेदारी नहीं बरतनी चाहिए। अपने छोटे बच्चों को यह भी बताना चाहिए कि कैसे आजादी की लड़ाई में सभी हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाईयों, पारसियों, बौद्धों, जैनों यानी हर भारतवासी ने कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया था। तब कहीं जाकर लाखों बलिदानों के बाद हमें यह आजादी मिली है। इसलिए हमें इसका सम्मान करना चाहिए। हमें अपने छोटे बच्चों को यह भी बताना चाहिए कि देश का ख्याल रखना और अच्छा नागरिक बनना किस तरह अपने पुरखों के प्रति सम्मान है, जिन्होंने हमें आजादी दिलाने के लिए खुद को आजादी के लिए लड़ी गई जंग में कुर्बान कर दिया था।

निश्चित रूप से बड़े होकर बच्चे इतिहास की किताबों में आजादी की लड़ाई के तमाम दस्तावेजी ब्यौरे और लंबी कहानियां और संविधान निर्माण के बारे में पढ़ेंगे, जानेंगे। लेकिन अगर बचपन से हम उन्हें छोटे-छोटे माध्यमों के जरिए यह सब बताते रहे तो एक उम्र में पहुंचकर उन्हें न सिर्फ देश से प्यार करेंगे, एक सजग नागरिक के तौर पर अपने कर्त्तव्यों का पालन भी करेंगे।

गणतंत्र दिवस की महत्ता भी बताएं

अपने बच्चों को आजादी के बाद देश के गणतंत्र बनने और उसकी महत्ता के बारे में जरूर बताएं। उन्हें देश के नागरिक के तौर पर प्राप्त अधिकारों के साथ ही मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी बताएं। संविधान निर्माण की प्रक्रिया, उसके निर्माण में भूमिका निभाने वाले विद्वानों के बारे में भी बच्चों को पता होना चाहिए। इसे भी रोचक ढंग से आपको उन्हें बताना चाहिए।

खबर संक्षेप

भरत सह-संयोजक और नितिन संयोजक नियुक्त

रोहतक। सीए भरत मक्कड़ को भाजपा हरियाणा सीए प्रकोष्ठ के सह-संयोजक और सीए नितिन बंसल को संयोजक नियुक्त किया गया है। प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट और आईआईएम लखनऊ के पूर्व छात्र सीए भरत मक्कड़, ने वित्तीय क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है। वित्तीय सलाहकार, बाजार रणनीतिकार और वक्ता के रूप में उन्होंने वित्तीय साक्षरता और निवेश प्रथाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संपत्ति कर न भरने वालों को भेजे नोटिस

रोहतक। संपत्ति कर जमा न करवाने वालों के खिलाफ नगर निगम सख्ती बरतने जा रहा है। बकायादारों को नोटिस जारी किए गए हैं और निर्धारित समयावधि में संपत्तिकर जमा न करवाने वालों के खिलाफ सीलिंग कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसी को लेकर नगर निगम आयुक्त धर्मेंद्र सिंह ने सोमवार को नगर निगम एवं नगर पालिकाओं के अधिकारियों के साथ बैठक की।

महाराज अग्रसेन सेवा ट्रस्ट ने जूते व स्वेटर बांटे

रोहतक। मॉडल टाउन स्थित गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बच्चों को स्वेटर व जूते वितरित किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि उद्योगपति सुरेंद्र जैन रहे। स्कूल प्राचार्य मीता कंसल, कृष्णा रंजन, रुड़की स्कूल की प्राचार्य अंजना, लाखनमाजरा स्कूल की प्राचार्या सरोज, कुताना स्कूल की प्राचार्य रश्मि ने अतिथियों का स्वागत किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश गोयल ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य समाज सेवा है, सर्दी को देखते हुए जूते व स्वेटर वितरित किए गए हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश गोयल, मुकेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, लोकेश जैन आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने झुग्गी झोपड़ियों और वाहनों की चेकिंग की

गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस सख्त, चलाया चेकिंग अभियान

पुलिस ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, मॉल व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की जांच कर सख्त हिदायत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पुलिस सर्चिंग एवं कॉम्बिग अभियान के दौरान लोगों से जानकारी लेते पुलिस अधिकारी व कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर पुलिस सख्त हो गई है। सुरक्षा की दृष्टि से बम निरोधक दस्ते ने चेकिंग अभियान चलाकर कार्यक्रम स्थल व सार्वजनिक स्थलों को खंगाला। एसपी नरेंद्र बिजारणिया के दिशा निर्देशों के तहत गणतंत्र दिवस को ध्यान में रखते हुए सभी पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा के संबंध में सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सभी राजपत्रित अधिकारी, प्रभारी थाना-चौकी अपने-अपने इलाको में सर्चिंग व काम्बिग अभियान चलाया गया। एसपी ने कहा कि सभी संबंधित एरिया में पड़ने वाले सभी होटल, रेस्टोरेन्ट, सराय, धर्मशाला, ढाबे आदि की निरंतर चैकिंग की। वहीं, सभी थाना टीम ने अपने अधिकृत एरिया में व्यक्तियों के आईडी संबंधित दस्तावेज चेक किए गए। साथ ही पुलिस ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, मॉल व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जांच की और जारी रखने के निर्देश दिए।

पुलिस ने की आमजन से यह अपील

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति रहता है तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित व नजदीकी थाना-चौकी में दें। अगर, कोई संदिग्ध वस्तु या वाहन मिलता है तो इसकी सूचना भी डायल 112 या तुरंत संबंधित नजदीकी थाना-चौकी में दें। आमजन रोहतक पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 9996464100 या 01262-228113 पर भी सूचना दे सकते हैं। रोहतक पुलिस द्वारा सूचना पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी तथा सूचना देने वाले की पहचान भी गुप्त रखी जाएगी।

होटल, ढाबा व धर्मशाला खंगाली

एसपी के दिशा-निर्देश पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस सर्चिंग एवं कॉम्बिग अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर जिला स्थित होटल, ढाबा, धर्मशाला आदि में ठहरने वाले व्यक्तियों की गहनता से चेकिंग की। शहर थाना रोहतक द्वारा आउटर जींद रोड व थाना सदर द्वारा गांव लाढोत में सुबह के समय अभियान चलाया और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई।

महम। समाजसेवी विजय मित्तल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल व शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी।

समाजसेवी विजय मित्तल को किया सम्मानित

महम। वैसे तो प्रदेश सरकार स्कूली छात्र छात्राओं को अधिक से अधिक सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए सरकारी स्कूलों पर काफी पैसा खर्च कर रही है। लेकिन महम में एक ऐसे जुनूनी समाजसेवी भी हैं, जो सरकारी स्कूलों में दिल खोलकर दान दे रहे हैं और स्कूलों का सुधार करने में जुटे हुए हैं। महम के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और झमलीगढ़ गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में विजय मित्तल ने फर्श बनवाने, दीवारों और फर्श पर टाइल्स लगवाने और कमरों की मरम्मत व उनका सौंदर्यकरण करवाने पर लाखों रुपए खर्च कर दिए हैं। दोनों ही विद्यालयों में उनके द्वारा दान देकर करवाया जा रहा निर्माण कार्य अभी जारी है। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल और प्रिंसिपल राजेश नांदल ने समाजसेवी विजय मित्तल की प्रसंशा की है। सात दिवसीय एनएसएस शिविर के समापन अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल ने विजय मित्तल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

ईएचएमसीएचआर ने डॉ. मेटी की 216वीं जयंती मनाई

रोहतक। इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा (ईएचएमसीएचआर) ने सोमवार को डॉ काउंट सीजर मेटी की 216वीं जयंती मनाई। रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के आईएचटीएम हॉल में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया और डॉ मेटी को नमन कर केक काटा गया। ईएचएमसीएचआर के चेयरमैन डॉ विनोद खनगवाल ने बताया कि इस मौके पर प्रदेश भर में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के डॉक्टर पहुंचे। डॉ. राकेश शर्मा और केडी फार्मा की चेयरमैन डॉ. उषा खनगवान गेस्ट ऑफ आनर रहे। डॉक्टर विनोद खनगवाल, ऑल एलटरनेटिव मेडिकल काउंसिलऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉक्टर महीपाल सिंह, वाइस चेयरमैन विनोद तोबड़िया, वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर श्वेता रोहिल्ला, डॉक्टर वेदपाल सिंह, सेक्रेटरी डॉक्टर ज्ञान चंद सैनी, एग्जिक्यूटिव चेयरमैन लाल चंद डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट , झज्जर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट कुरुक्षेत्र डॉक्टर सतबीर, एएमसी की रजिस्टर डॉक्टर शिवानी डॉक्टर सुमन कुमारी आदि मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉक्टर देवेन्द्र ने किया।

जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का दीप जलाकर शुभारंभ करते मुख्य अतिथि एडवोकेट नवीन गुप्ता व अन्य हरिओम सेवादल के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिओम सेवादल द्वारा बाबू मिठन लाल गिरीश गुप्ता सहारा आश्रम के वार्षिकोत्सव पर सोमवार को पंचमुखी श्री हनुमान मंदिर एवं आश्रम में सेवादल सरपरस्त राजेश जैन एमडी एलपीएस बोसार्ड के मार्गदर्शन में निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट नवीन गुप्ता रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। इस मौके पर सेवादल के कैलेंडर का विमोचन किया गया। इस कैंप में 65 व्यक्ति सामान्य रोग, 86 नेत्र रोग, 24 फेफड़े जांच, 8 व्यक्ति फिजियोथैरेपी के लिए पहुंचे। जिनकी शुगर, बीपी एवं रक्त की जांच की गई, सभी को दवाइयां एवं 75 व्यक्तियों को चश्मे दिए गए। इस अवसर पर सेवादल के संरक्षक मनोज बतरा, उप प्रधान हरीश दुआ, देवेंद्र शर्मा, नितिन चावला, संगठन महासचिव योगेश अरोड़ा, महासचिव अश्विनी पाहवा, कोषाध्यक्ष एनके भूटानी, सतीश मोंगिया, वेद प्रकाश मोंगिया, अशोक कतयाल, राजकुमार गुगनानी, राजेंद्र शर्मा, रवि सोहल, राजेंद्र, पूनम, रिया आदि उपस्थित रहे।

देव मानव सेवा ट्रस्ट माहवारी शिक्षा पर किया जागरूक

रोहतक। देव मानव सेवा ट्रस्ट टिटौली द्वारा गांव खरावड़ व गांव गांधरा के राजकीय कन्या स्कूल में छात्राओं के लिए विशेष माहवारी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सहयोग ट्रस्ट की उप शाखा देव कॉलोनी रोहतक कैटीन वाली गली ने भी किया। इस कार्यक्रम का संयोजन ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. श्यामदेव ने किया। कार्यक्रम का उद्धेश्य माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और स्वच्छता के महत्व को समझाना था। विशेषज्ञों ने छात्राओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए जरूरी कदमों के बारे में बताया। उन्हें यह भी सिखाया गया कि माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से उन्हें जो भी जिम्मेवारी मिली है वह उस जिम्मेवारी को पूरी मेहनत, लग्न, कर्मठता व ईमानदारी से निभाएंगे। संगठन में ऐसे वक्ताओं का चयन करेंगे जो बेबाकी व निर्भीकता से अपने देश व प्रदेश की युवाशक्ति की जायज आवाज को जोर-शोर से उठा सके। केन्द्र व हरियाणा प्रदेश में सत्तासीन भाजपा की नाकाम-नासमझ सरकार की नाकामियों की देश व हरियाणा प्रदेश की जनता के सामने पोल खोल सके। मुदगिल ने मीडिया के माध्यम से देश व हरियाणा प्रदेश की युवाशक्ति से आह्वान किया है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में भारतीय युवा कांग्रेस के मीडिया विभाग द्वारा आयोजित यंग इंडिया के बोल सीजन : 05 कार्यक्रम में भाग ले और देश व अपने प्रदेश की सम्मानित जनता व युवा शक्ति की जायज आवाज को बुलन्द करे और युवाशक्ति को मजबूत बनाए।

धर्मेन्द्र रिटोली युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक व हरियाणा प्रभारी बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता धर्मेन्द्र मुदगिल रिटोली को भारतीय युवा कांग्रेस के मीडिया विभाग द्वारा आयोजित यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर मुदगिल ने लोकसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु का आभार जताया है।

रोहतक को बाल विवाह मुक्त बनाया जाएगा : मान

रोहतक। बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के इको सिस्टम को मजबूती देने की दिशा में नीति आयोग और एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) ने एक मंतव्य पत्र (एसओआई) पर नई दिल्ली में दस्तखत किए गए। इस मंतव्य पत्र के अनुसार देश के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तीकरण को लेकर कार्य किया जाएगा। अगले एक साल में देश के 104 प्रखंडों के 15 हजार गांवों में गहन अभियान चलाकर इन्हें बाल विवाह मुक्त बनाया जाएगा। एमडीडी ऑफ इंडिया के हरियाणा के प्रभारी सुरेन्द्र सिंह मान ने बताया कि नीति आयोग और एवीए की इस साझेदारी का स्वागत और समर्थन किया है। ज्ञातव्य है कि एवीए और एमडीडी ऑफ इंडिया दोनों ही बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैर सरकारी संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोगी हैं। दो-वर्षीय मंतव्य पत्र के तहत अगले दो सालों में देश के 73 जिलों के उन गांवों को लिया जाएगा। जो बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल उत्पीड़न की दृष्टि से संवेदनशील हैं और आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। इन गांवों में गहन अभियान चला कर 'सुरक्षित बाल ग्राम' के रूप में एक सुरक्षा घेरा विकसित किया जाएगा।

जानलेवा हमले का तीसरा आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस ने 152डी हाइवे के पास दंपति पर हुए जानलेवा हमले की वारदात में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपित को कोर्ट में पेश किया गया। महम थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यपाल ने बताया कि 11 मई 2024 को सूचना मिली कि गांव खरकड़ा से मोखरा जाने वाली सड़क 152डी हाईवे पर दंपति व उसके ड्राइवर के साथ मारपीट कर गोली चलाने की वारदात को अंजाम दिया गया है।

सूचना पर तुंरत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने तुंरत मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की। जिला दादरी हाल प्रेम नगर नजफगढ़ दिल्ली निवासी अनिल की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अनिल ट्रांसपोर्ट का काम करता है। अनिल के पास पांच ट्राले है जो रोड़ी बजरपूर की स्पलाई में चलते है।

निश्चेतन विभाग की प्रोफेसर डॉ. शशि किरण की ऐच्छिक सेवानिवृत्त

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की टीचर वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से निश्चेतन विभाग की सीनियर प्रोफेसर डॉ. शशि किरण की ऐच्छिक सेवानिवृत पर उन्हें सोमवार को लैक्चर थियेटर वन में विदाई पार्टी दी गई। इस अवसर पर कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल, निदेशक डॉ.एसके सिंघल, डीन डॉ. कुलदीप सिंह लालर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने डॉ. शशि किरण को टीचर वैलफेयर एसोसिएशन की तरफ से एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। मंच का संचालन डॉ. सुधीर अत्री ने किया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल ने कहा कि वें डॉ. शशिकिरण को पीजीआईएमएस में शुरूआत से ही जानते है और वें उनके परिवार की तरह हैं। डॉ. शशि एक बहुत अच्छी रिसर्चर हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. शशि हमेशा समय की पाबंद रही हैं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि संस्थान हमेशा आपका मरीजों के प्रति समर्पण भाव याद रखेगा। उन्होंने कहा कि वें डॉ. शशि के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

स्वास्थ्य शिविर में 21 लोगों ने करवाई जांच

शिविर में मरीज की जांच करते डॉक्टर।

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से संचालित विमल प्रसाद जैन एवं सुशीला देवी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर सांघी गांव में फ्री कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 21 लोगों ने आकर अपने जोड़ों के दर्द की जांच करवाई। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि इस कैंप का आयोजन हर सप्ताह सांघी गांव के बस अड्डे के नजदीक किया जाता है। जिसके अंदर कोई भी व्यक्ति आकर अपने जोड़ों के दर्द की फ्री में जांच करवा सकता है। साथ ही डॉक्टरों से परामर्श ले सकता है। इस कैंप में डॉक्टर ज्योति बतौर कंसलटेंट मौजूद रहती हैं। डॉ. ज्योति ने जगन्नाथ यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई पूरी है। इसके अलावा उन्होंने पीजीआई रोहतक से अपनी ट्रेनिंग पूरी की है। समाज के हित को देखते हुए उन्होंने इस कैंप में लोगों का इलाज किया। इस मौके पर पुष्पा, मीना, प्रवीन, राजेश, शीला, नवीन आदि मौजूद रहे।

यूडीएफ संगठन ने की पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा से मुलाकात

रोहतक। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट(यूडीएफ) के एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की। यूडीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लक्ष्य मित्तल और हरियाणा अध्यक्ष डॉ अमित व्यास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल हुड्डा से मिलने पहुंचा और 'तम्बाखू मुक्त भारत' अभियान पर चर्चा की। डॉ अलिशा पांचाल और डॉ इशिका मलिक ने बताया कि यह अभियान तंबाकू से जुड़े गंभीर स्वास्थ्य खतरों के प्रति जागरूकता फैलाने और एक स्वस्थ, स्वच्छ भारत के निर्माण में योगदान देने की दिशा में समर्पित है। यूडीएफ द्वारा चलाए जा रहे अभियान को हुड्डा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी शेयर किया है। डॉ नित्यानन्द,डॉ अमीषा मिश्रा, डॉ सन्नी ढुग्गल, डॉ सचिन कंबोज ने बताया कि पूर्व सीएम द्वारा प्रदत्त संदेश न केवल हमारे अभियान को नैतिक समर्थन देगा, बल्कि जनसामान्य में इस मुद्दे के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक होगा।

रोहतक। एनएसएस कैम्प में उपस्थित बच्चों को सम्बोधित करते आरटीआई एवं बाल अधिकार कार्यकर्ता सुभाष। फोटो : हरिभूमि

बच्चे भी पूछ सकते हैं आरटीआई के तहत सवाल: सुभाष

रोहतक। आरटीआई के तहत बच्चे भी सवाल पूछ सकते हैं। देश के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के यह अधिकार होगा। क्योंकि हमारे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था है। लोकतंत्र में शासन लोगों के लिए ही होता है। हम सरकार चलाने के लिए अपने प्रतिनिधि चुनते हैं। सोमवार को आरटीआई एवं बाल अधिकार कार्यकर्ता सुभाष ने रिठाल गांव के रा.व.मा स्कूल में एनएसएस कैम्प में उपस्थित बच्चों को यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकारी काम हमारे लिए, हमारे द्वारा दिए गए टैक्स के पैसों से होता है। यह काम जरूरतों के अनुसार हो, इसके लिए हमें काम की पूरी-पूरी जानकारी होनी चाहिए। यदि सारे काम के बारे में खुली जानकारी होगी तो भ्रष्टाचार की संभावना कम हो जाती है। इसे ही कहते हैं शासन में लोगों की भागीदारी एवं पारदर्शिता। सरकार और शासन लोगों के लिए है और कानून से ऊपर नहीं है। यदि काम सही ढंग से नहीं होता, तो शासन को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। समापन अवसर स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ कैम्प इंचार्ज सीमा सैनी भी उपस्थित थीं।

शिकायतों के समाधान के लिए आयोजित किए जा रहे है शिविर:आशीष

शिविर में पहुंचे 35 फरियादी, नौ का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समाधान शिविर में लोगों की शिकायते सुनते उपमंडलाधीश आशीष कुमार।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा के मार्गदर्शन में प्रति कार्य दिवस नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए।

उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने स्थानीय जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए हॉल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के निपटारे बारे निर्देश दिए। समाधान शिविर में 35 शिकायतें प्राप्त हुई। इन शिकायतों में अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय से संबंधित 13 शिकायतों में से 9 शिकायतों का मौके पर निपटारा किया गया तथा अन्य शेष 26 शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है। उन्होंने डोभ से सुनारिया जाने वाले रास्ते के संदर्भ में प्राप्त शिकायत की सुनवाई करते हुए नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस रास्ते से अवैध कब्जे हटाए जाए तथा निर्धारित चौड़ाई के रास्ते को पक्का किया जाए। आशीष कुमार ने परिवार पहचान पत्र में अज्ञात व्यक्ति का नाम हटाने से संबंधित शिकायत के संदर्भ में कहा कि सरकार द्वारा अनजान व्यक्ति के नाम को हटाने के लिए विकल्प तैयार किया जा रहा है तथा शीघ्र ही ऐसी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने परिवार पहचान पत्र में ज्यादा आय के संदर्भ में प्राप्त शिकायतों की सुनवाई करते हुए कहा कि संबंधित शिकायतकर्ताओं की आमदनी वेरिफाई करवाई जाएगी। उन्होंने सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, राजस्व, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पुलिस, नगर निगम, पंचायतीराज आदि विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के यथाशीघ्र निपटान के निर्देश दिए।

ये अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर उप सिविल सर्जन डॉ. डिम्पल, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता रामेंद्र मलिक, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता अरूण कुमार, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता अरूण मुंजाल, जिला नगर योजनाकार सुमनदीप, जिला बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह, सहायक रोजगार अधिकारी रिचा आर्य सहित अन्य संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्लाटों के अलाटमेंट के लिए आवेदन आमंत्रित

रोहतक। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने औस्टीज कोटा के अन्तर्गत आने वाले उन भूस्वामियों जिनकी जमीन सैक्टर 21पी, 21ए, 25 तथा सैक्टर 27-28-26 पी I,II,III के लिये अधीग्रहित की गई है, उनकों प्लाटों के अलाटमेंट करने के लिये आवेदन आमन्त्रित हैं। उपायुक्त एवं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण रोहतक के प्रशासक धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि इन औस्टीज कोटा के अन्तर्गत आने वाले प्लाटों हेतू 4 दिसंबर 2015, 11 अगस्त 2016 तथा 08 मई 2018 की रिजर्वेशन पोलिसी लागू रहेगी। आवेदन 22 जनवरी 2025 से 21 मार्च 2025 तक दो माह तक स्वीकार किये जायेंगे। प्राप्त हुए आवेदनों को 11 अगस्त 2016 तथा उसके बाद की संशोधित 8 मई 2018 की पोलिसी अनुसार छंटनी की जायेगी।

पीजीआईएमएस में एनसीडीसी बनाएगी बीएसएल-3 लैब: कुलपति

- अब संस्थान में ही भविष्य में आने वाली महामारियों की जांच उपलब्ध होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को अब जल्द ही अत्यधिक संक्रामक और रोगजनक जीवों से होने वाली महामारियों की जांच के लिए दिल्ली पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अब संस्थान में ही भविष्य में आने वाली महामारियों की जांच उपलब्ध हो जाएगी। सोमवार को इसके लिए पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र एनसीडीसी के साथ बीएसएल-3 लैबोरेट्री की संस्थान में स्थापना के लिए एक एमओयू साइन किया है। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एच.के. अग्रवाल का। उन्होंने एमओयू के लिए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल,एनसीडीसी के संयुक्त निदेशक सुनील भारद्वाज, डॉ. पारूल पूनिया, वित्त नियंत्रक राजेश मनोचा, संपदा अधिकारी दुष्यंत कुमार, एडीए नीरज, एओ पंकज आदि उपस्थित रहे।

लैब वायरसों के अध्ययन और शोध के लिए विशेष सुविधाएं करेगी प्रदान

इस एमओयू के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल ने बताया कि एनसीडीसी के साथ हुए एमओयू के तहत बीएसएल-3 लेबोरेटरी की स्थापना का निर्णय लिया गया है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि पीजीआईएमएस की तरफ से निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल ने और एनसीडीसी की तरफ से संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील कुमार भारद्वाज ने आज इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह लैबोरेट्री पीजीआईएमएस में स्थापित की जाएगी, जो जैविक रोगजनकों और वायरसों के अध्ययन और शोध के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करेगी। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि पहले जैसे कोई भी महामारी अचानक आ जाती थी तो बीमारी की जांच के लिए संस्थान को एनसीडीसी दिल्ली पर निर्भर रहना पड़ता था, अब यह सुविधा संस्थान में शुरू हो जाने से पूरे प्रदेशवासियों को इससे फायदा मिलेगा। निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटका, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में केवल 10 बीएसएल 3 लैब स्थापित की जाएगी, जिसमें से पीजीआईएमएस रोहतक को चुना जाना एक बहुत बडी बात है। डॉ. सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्टैक्चर मिशन के तहत यह लैब संस्थान में स्थापित होगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने बताया कि यह लैबोरेट्री उच्च स्तरीय जैव सुरक्षा प्रयोगशाला होगी, जिसमें जैविक रोगजनकों और वायरसों के अध्ययन और शोध के लिए विशेष सुविधाएं होंगी। उन्होंने बताया कि इसकी स्थापना के बाद चिकित्सकों की रिसर्च और ट्रेनिंग भी करवाई जा सकेगी। माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्पणा परमार ने बताया कि अभी तक उनके विभाग के पास सिर्फ वीआरडीएल लैब थी और भविष्य में बीएसएल 3 लैब के बन जाने से हाई रिस्क पैथोजन की पहचान आसानी से हो पाएगी और चिकित्सक उसके आधार पर मरीज का इलाज करने में सक्षम हो पाएंगे। पीजीआई के संपदा अधिकारी दुष्यंत कौशिक ने बताया कि पीजीआई में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के साथ लगती एक एकड़ जमीन हरियाणा सरकार से अनुमोदन के बाद एनसीडीसी को 99 साल के लिए लीज पर दिए जाने का प्रावधान एमओयू के अंदर किया गया है, जिसके बाद इसे बनाने और मशीनरी का सारा खर्च एनसीडीसी ही वहन करेगा।

खबर संक्षेप

मदवि के 20 विद्यार्थी कर्नाटक के लिए रवाना

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के 20 विद्यार्थियों का दल स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत बेंगलुरु नॉर्थ यूनिवर्सिटी, कोलार, कर्नाटक के लिए रवाना हुआ। यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम की निदेशिका प्रो. अंजू धीमान तथा चीफ कंसल्टेंट यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रो. राजकुमार ने विद्यार्थियों के इस दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पंडित ओमप्रकाश की प्रतिमा का अनावरण 28 को

महम। मदीना गांव में स्व. पंडित ओमप्रकाश शर्मा की प्रतिमा का अनावरण 28 जनवरी को किया जाएगा। सुबह 8 बजे हवन किया जाएगा, जबकि सुबह 10 बजे सामूहिक भोज शुरू होगा। स्व. पंडित ओमप्रकाश शर्मा मदीना गिंधराण की सरपंच अंजू देवी के ससुर हैं और समाजसेवी राजा शर्मा के पिता हैं। रविवार 12 जनवरी को पंडित ओमप्रकाश शर्मा का निधन हो गया था। 28 जनवरी मंगलवार शाम तीन बजे से चार बजे तक रस्म पगड़ी है। उनकी सत्रहवीं के दिन ही उनकी मूर्ति का अनावरण किया जाएगा।

राजकीय महिला कॉलेज में कर्तव्य बोध दिवस मनाया

रोहतक। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरियाणा, उच्च शिक्षा विभाग रोहतक की ओर से सोमवार को राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में कर्तव्य बोध दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. एकता ने बताया कि एक राष्ट्र विश्व पटल पर एक सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र का रूप तभी ले सकता है, जब वहां के लोग निस्वार्थ भाव से कर्तव्य पथ पर अडिग हों और सभी धर्मों के व्यक्ति कर्तव्य बोध से सराबोर हों। कभी-कभी हम अपनी व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारियों को भूल जाते हैं। इस दिशा में कर्तव्य बोध दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

सर्दी में लोग बाहर से खरीद रहे पानी, हो रही परेशानी

राजेंद्र नगर, सूर्या कॉलोनी, उत्तम विहार में एक समय ही मिल रहा पानी

- जल्द समाधान न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी
- प्रशासनिक अधिकारियों ने समस्या के निदान का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

फाइल फोटो

सर्दी के मौसम में भी लोगों को पीने के पानी के लिए जूझना पड़ रहा है। डेयरी मोहल्ला, जींद रोड स्थित रैनकपुरा, सुखपुरा चौक के नजदीक स्थित राजेंद्र नगर, सूर्या कॉलोनी, उत्तम विहार, ऋषि नगर, शास्त्री कालोनी, बसंत विहार में सिर्फ एक समय ही पानी की सप्लाई आ रही है। ऐसे में लोगों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। महिलाओं को करीब डेढ़ किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस क्षेत्र में कई ऐसे इलाके भी हैं, जहां कई साल से नलों से एक भी बूंद पानी नहीं आया है। पानी की समस्या से ग्रस्त लोगों का कहना है कि यदि जल्द पेयजल की समस्या का निदान नहीं हुआ तो वह प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के कुछ इलाकों में सुबह के तीन बजे पानी की सप्लाई दी जा रही है। ऐसे में लोगों को तीन बजे से पहले उठकर पानी आने का इंतजार करना पड़ता है। जिससे लोग आराम से सो भी नहीं पा रहे है। वहीं, पब्लिक हेल्थ के अफसरों का कहना है कि रैनकपुरा करीब 12 फुट की ऊंचाई पर है, जिसकी वजह से पानी सप्लाई में दिक्कत हो रही है। पानी से जूझ रहे लोगों ने करीब कुछ दिन पहले ही जींद रोड पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया था। इस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने जल्द समस्या के निदान का आश्वासन दिया। लेकिन अभी तक वहां की पेयजल समस्या का निदान नहीं हो सका है। रैनकपुरा की पेयजल समस्या के निदान के लिए ही माता दरवाजा पर बूस्टर लगाया गया था मगर उसका लाभ यहां के बाशिंदों को ही नहीं मिल रहा है। सर्दी के कारण महिलाओं को और ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह के समय सर्दी ज्यादा होती है। लेकिन पानी की पूर्ति करने के लिए सर्दी में मटका लेकर बाहर निकालना पड़ता है। इसके कारण महिलाओं को ठंड में बीमार होने का खतरा भी बना रहता है। अभी तक शहर के चार उपायुक्त बदल चुके हैं। लेकिन समस्या का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है।

जल्द होगा समाधान

फिलहाल अधिकतर जगह सप्लाई दोनों समय दी जा रही है। फिर भी कहीं पर समस्या बनी हुई है तो उसकी जांच करवाकर दोनों समय पानी की सप्लाई दी जाएगी। आमजन को पानी के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। इस तरह की शिकायत उनके सामने नहीं आई है। अगर शिकायत आई भी है तो उसका समाधान भी हो चुका होगा। अन्य कहीं पर समस्या है तो उसे भी हल करवाया जाएगा।

रोहित कुमार, कार्यकारी अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

अधिकारियों की लापरवाही

रैनकपुरा के निवासियों का कहना है कि विभाग के अधिकारियों ने जल्द समस्या का समाधान नहीं किया तो वह आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। पूर्व में भी प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन समाधान आज तक भी नहीं किया गया है। अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह सब समस्या झेलनी पड़ रही है।

पटवारियों ने किया प्रदर्शन एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

रोहतक। अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करते दी रेवन्यू पटवार एवं कानूनगो एसो. के सदस्य।

- बोले, झूठी लिस्ट जारी कर बदनाम किया, 3 दिन तक काली पट्टी बांधकर करेंगे काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा सरकार की तरफ से जारी भ्रष्ट पटवारियों की लिस्ट के बाद दी रेवन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के सदस्यों ने सोमवार को काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। एसोसिएशन ने पटवारियों को बदनाम करने व बिना सबूत लिस्ट जारी करने के आरोप लगाए। साथ ही एसडीएम आशीष कुमार को ज्ञापन सौंपा। हाल ही में प्रदेश के 370 पटवारियों की सूची जारी की गई है। जिसमें रोहतक के पांच पटवारियों के नाम शामिल हैं। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष जयवीर चहल का कहना है कि लिस्ट को लेकर सरकार के मंत्री व अधिकारियों से बात हुई है। साथ ही अपना पक्ष रखने के लिए समय भी मांगा गया है। पटवारी 3 दिन तक विरोध प्रकट करते हुए पूरे प्रदेश में डीसी के माध्यम से राजस्व मंत्री के नाम ज्ञापन भेज रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष जयवीर चहल ने कहा कि सरकार ने झूठी लिस्ट जारी कर पटवारियों को बदनाम करने का प्रयास किया है। सरकार ने किस आधार पर लिस्ट जारी की है। सरकार को पटवारियों के सम्मान को इस प्रकार ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। एसोसिएशन के वरिष्ठ उपप्रधान पवन कुमार ने बताया कि तीन दिन से वह काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर सरकार ने पटवारियों की मांग नहीं मानी तो आंदोलन आगे जारी रहेगा।

वेद मॉडल स्कूल में इंटर स्कूल प्रतियोगिता शुरू

रोहतक। कलानौर स्थित वेद मॉडल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इंटर स्कूल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। 26 जनवरी तक चलने वाली गतिविधियों में वेद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के अलावा क्षेत्र के 100 से भी ज्यादा स्कूलों बच्चे भाग लेंगे। सोमवार को बैस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बता दें कि 26 जनवरी को वेद मॉडल टेलेंट टैस्ट व विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। बच्चों की हौंसला अफजाई के लिए स्कूल की तरफ से 9 लाख से ज्यादा के नकद स्कॉलरशिप इनाम रखे गए हैं। स्कूल के चेयरमैन वेद प्रकाश जांगड़ा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देश्य होनहार बच्चों में छुपी प्रतिभा को आगे लाना व उनका हौंसला बढ़ाना है।

नियमित योगाभ्यास से बढ़ती रोग प्रतिरोधक क्षमता

रोहतक। भालोठ रोहतक स्थित द श्री राम यूनिवर्सल स्कूल में तीन दिवसीय विशेष योग प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। योग शिक्षक डॉ. जनकराज ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। सोगवार को डॉक्टर जनक राज ने बच्चों को मंत्र उच्चारण के बाद यौगिक सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया, इसके बाद ताड़ासन, वृक्षासन, हलासन, चक्रासन और कटि चक्रासन आदि का अभ्यास कराया।

पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में कुकडू-कू फेस्ट में बच्चों ने मचाई धूम

रोहतक। पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में कुकडू-कू फेस्ट (लिटरेरी एंड साईंस शो) का आयोजन किया गया, जिसमें 11 वर्ष तक की आयु के 400 बच्चों ने भाग लिया। मंच संचालन रजनी गुलाटी, कोमल बुट्टन, कनिका चुघ, सोनम गुप्ता व नेहा कालरा ने किया। इस कार्यक्रम में फैंसी ड्रेस, सच का सामना, पॉड कास्ट, शार्क टैंक तथा विभिन्न आयु वर्ग के लिए बूम द बैलून, एनिमल वॉक रेस, स्पीडी शूट रेस, स्टडी स्टैप रेस, सैक एटैक रेस, रैपिड़ रश रेस, बॉल एंड बैलून रेस आदि गतिविधियां आयोजित की गई। विज्ञान से सम्बन्धित बीस से अधिक एक्सपैरिमैंट्स को प्रदर्शित कर बच्चों का ज्ञानवर्धन किया गया। सभी ने मिकी बाउंसी, पॉपकार्न, स्वीट कैंडी व फूड स्टॉल का आनन्द उठाया। पुस्तक मेले में बच्चों ने अपनी मनपसंद पुस्तकें खरीदीं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों व विजेताओं को मेडल, ट्राफी व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका पवित मदान, रवि गुलाटी, देवेन सचदेवा, सेजल गाबा, टेरा त्रिगुण, सुप्रिया, हनी जैन, निक्की धनखड़, डॉली सतीजा, रीमा, श्वेता चुघ, रीतिका सिक्का, आरती, विम्पी, शायशा व वीरांगना आदि ने निभाई। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांड़ा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी, कोर्डिनेटर रजनी गुलाटी, नीरू खुराना, नीतू सेठी, कनिका चुघ, प्रभा शर्मा व आलोक हुड्डा ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लिया

रोहतक। गणतंत्र दिवस के समारोह में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां जोरों पर हैं। जिला शिक्षा विभाग की ओर से विभिन्न अधिकारियों को इस सांस्कृतिक आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसी कड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की नोडल अधिकारी रितु पंघाल ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जिले के 13 निजी एवं सरकारी स्कूलों की टीमें अपने स्कूलों में तैयारियां कर रही हैं। गणतंत्र दिवस के आयोजन के लिए 22 जनवरी को राजीव गांधी स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के इवेंट्स का फाइनल सिलेक्शन अतिरिक्त उपायुक्त तथा जिला नगराधीश द्वारा किया जाएगा। ग्राउंड इवेंट्स की नोडल अधिकारी (खंड शिक्षा अधिकारी रोहतक) राजबाला ने बताया कि प्राचार्य सुरेंद्र हुड्डा तथा अनुज मलिक के नेतृत्व में एईओ मुकेश, ओमपाल डीपीई तथा सभी डीपीई तथा पीटीआई राजीव गांधी स्टेडियम में विभिन्न स्कूलों की टीमों को पीटी, डम्बल, लेजियम का अभ्यास करवा रहे हैं, जबकि बलराज के नेतृत्व में स्काउट गाइड की टुकड़ी परेड एवं मार्च पास्ट की तैयारियों में लगी है। जिला शिक्षा विभाग की सांस्कृतिक कार्यक्रम नोडल अधिकारी रितु पंघाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लिया।

राहतक। अपनी प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में हिंदी, अंग्रेज़ी कविता वाचन प्रतियोगिता का किया आयोजन

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में हिंदी, अंग्रेजी कविता वाचन तथा कहानी वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कक्षा पहली से आठवीं कक्षा के प्रतिभागियों ने भाग लिया। बच्चों ने रसमयी वाणी में मेरी दादी, मां, तिरंगा, मिट्टी, तुलसीदास के दोहे, संविधान दिवस, कबीर दास के दोहे, भारत के जवानों की ताकत, सचिन की देशभक्ति, सैनिक, मैं भारत का संविधान हूं, मैं उसे भारत से आता हूं, ऐसे भारत का निर्माण करें तथा अंग्रेजी कविता वाचन में द रेनबो, द सन, द सीजंस, द फैमिली, माय बेस्ट फ्रेंड, द मैजिक ऑफ नेचर, माय कंट्री, माय ड्रीम्स, आवर कांस्टीट्यूशन, माय एस्पिरेशंस, अ ट्रीब्यूट टू ग्रेट लीडर्स, माय हॉबी, द मैजिक ऑफ नेचर, इंडिया द लैंड ऑफ ग्रेट लीडर्स, होप्स, माय नेशन आदि विषयों पर कविता वाचन कर मन के भावों को जगाने का भरसक प्रयास किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रणवी, हर्षिता ,स्नेहा, जनक, दुर्वा, हेनल, हुनर, दिव्या , माही ,शिखा, पावनी, तविशु, परनीत, अवनी, हार्दिक, साव्वी ने, द्वितीय स्थान ख्वाइश, अमीषा, भूदेव, पराक्रम, चिरंजीव ,पार्थ जितेन, प्रियांशी, कृतिका, मान्या, कनिष्का, हर्षित, जयेश, कौरत, गौरांश, तेजल, मौलिक ने और तृतीय स्थान वेदिता, हर्षित, जतिन, वरिंदा, सिया, हिरल, प्रियांशु, जयंत, ग्रंथ, जकश, गरिमा, कोमल, मयंक ,नव्या, नैना ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय उपप्राचार्या मशेंका, विन्नी, रितु, तरु, सीमा शर्मा, रवनीत, किरण, ज्योति, शोभा, दुर्गा, नीलम, ज्योति चावला, कनिका, मिनाक्षी, इला, दीपमाला, स्नेहलता आदि उपस्थित रहे।

मदवि के विवेकानंद पुस्तकालय में पुस्तक-अमृतज्ञान का हुआ विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। प्रोफेसर डॉ. अजीत सिंह राणा की पुस्तक-अमृतज्ञान: सुख का आधार का विमोचन करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के विवेकानंद पुस्तकालय में सोमवार को पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने एमडीयू के अर्थशास्त्र विभाग के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. अजीत सिंह राणा की पुस्तक-अमृतज्ञानः सुख का आधार का विमोचन किया। हिंदी विभाग की सेवानिवृत अध्यक्षा डॉ. रामरति ने इस पुस्तक को संपादित किया है। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि जीवन में ज्ञान ही सच्चे सुख का आधार है। जीवन की समस्याओं से निजात दिलाने में ज्ञान अहम भूमिका निभाता है। ज्ञान ही जीवन में सुख की अनुभूति करवाता है, ऐसा कुलपति का कहना था। उन्होंने लेखक प्रो. राणा और संपादक प्रो. रामरति को इस पुस्तक के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि यह कार्यक्रम लेखक, प्रकाशक, साहित्यकार और पाठकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होता है, जहां पुस्तक के महत्व, उसके विषय और लेखक की कड़ी मेहनत का सम्मान किया जाता है। डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने कहा कि वैल्यू एजुकेशन में इस तरह की किताब विशेष भूमिका निभाती है। उन्होंने समाज के लिए उपयोगी इस पुस्तक के लेखन के लिए डॉ. राणा और डॉ. रामरति को बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र कुमार, प्रो. मनोज सिवाच, डॉ. केसी डबास, प्रो. सत्यवान बरोदा, प्रो. सेवा सिंह दहिया, डॉ. राजीव जून, प्रो. प्रियंका सिवाच, डॉ. रामरति, डॉ. सूरत सिंह, राजीव शर्मा, वीरेंद्र मलिक, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

समस्या महा कुंभ जाना हुआ मुश्किल, बसों की नहीं कोई व्यवस्था

प्रयागराज के लिए कालिंदी एक्सप्रेस में 55 तो त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस में 76 वेटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ट्रेनों में आरक्षण की स्थिति को देखते हुए रेलवे भीड़भाड़ वाले रेल मार्गों के आंकलन में जुट गया है ताकि कुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जरूरत अनुसार कुछ अन्य ट्रेनों के संचालन को लेकर कार्रवाई शुरु की जा सके। रेलवे ने रोहतक से कोई स्पेशल ट्रेन का संचालन नहीं किया है। ऐसे में लोग अब तत्काल कोटा से सीट मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लेकिन तत्काल में टिकट सबको नहीं मिल पा रही है। टिकट की मारामारी के चलते यात्रियों को मायूस होकर ही अपने घर की तरफ लौटना पड़ रहा है। कालिंदी एक्सप्रेस स्लीपर कोच में 55 और त्रिपुरा सुदंरी एक्सप्रेस द्वितीय और तृतीय एसी में 76 की वेटिंग बनी है। प्रतिदिन लोग आरक्षण केंद्र व रेलवे के एप से टिकट कर रहे हैं, लेकिन उनको सीट नहीं मिल रही है।

नहीं मिली कोई स्पेशल ट्रेन

महाकुंभ के लिए जंक्शन से कोई स्पेशल ट्रेन नहीं मिली है। ऐसे में प्रतिदिन यात्रियों को प्रयागराज जाने वाली दो ट्रेनों में ही रिजर्वेशन कराना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार प्रतिदिन 30 से 40 लोग टिकट कराने आ रहे हैं, लेकिन वेटिंग के चलते लोग कम ही करा रहे हैं। जो वेटिंग टिकट में रिजर्वेशन करा रहे हैं उनको सफर में परेशानी उठानी पड़ रही

महाकुंभ के लिए बसों की व्यवस्था होनी भी जरूरी

रोहतक से प्रयागराज जाने वाले रामराज, अरूण कुमार समेत अन्य श्रद्धालुओं ने कहा कि रोडवेज डिपो को भी महाकुंभ में जाने के लिए बसों की व्यवस्था करनी चाहिए। ताकि ट्रेनों में सीट न मिलने के कारण श्रद्धालु बसों में यात्रा कर महाकुंभ में शाही स्नान के लिए पहुंच सके।

भक्तों की संख्या से बढ़ी वेटिंग

श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के कारण प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग बढ़ी हुई है। ज्यादातर श्रद्धालु ट्रेनों में ही टिकट बुक करवा कर महाकुंभ में पहुंचते हैं। हालांकि कुछ स्पेशल ट्रेन भी चली हुई लेकिन वेटिंग के कारण सीट कंफर्म नहीं हो रही।

रविंद्र राणा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, रेलवे